REPORTING OF PEACE CENTRE, BHAGALPUR

NOVEMBER 2024

For Individual Event

❖ Date: **10 November 2024**

Time : 3 pm- 6 pm

Location**: कलाकेन्द्र, भागलपुर**

Name of Event/Activity **:** ब्यक्तिगत स्वतंत्रता और धर्मों की आजादी

Type of Activity : **चर्चा गोष्ठी**

Brief Description: Highlights of the activity (Not more than 300 words)

दिनांक 10 नवम्बर 2024 को कलाकेंद्र में "ब्यक्तिगत स्वतंत्रता और धर्मों की आजादी " विषय पर चर्चा गोष्ठी हुई। अध्यक्षता डॉ मनोज कुमार ने और संचालन उदय ने की। विषय प्रवेश कराते हुए उदय ने कहा कि हमें संविधान ने मानवाधिकार का हक दिया है वहीं दूसरी ओर मानवाधिकार का सबसे बड़ा हनन कर्ता खुद राज्य सत्ता है। मानवाधिकार हनन कर्ता कई प्रकार के हैं। कई प्रकार के सामाजिक व धार्मिक परम्परायें भी मानवाधिकार का हनन करते हैं जैसे लड़का लड़की में भेदभाव, जाति भेद, छूआ छूत आदि। उसी प्रकार सामुदायिक अधिकारों का भी हनन होता है। शाहिद कमाल ने कहा कि एक धर्म को मानने वाले अपने धार्मिक मान्यताओं को सही और दूसरे की मान्यताओं को गलत मानते हैं। यह भी मानवाधिकार का हनन है। समाज में कई प्रकार की पंचायतों के चलन ने ब्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन होता है। परिवार के किसी ब्यक्ति के अपराध के लिए पूरे परिवार या सामुदायिक को दण्डित किया जाना मानवाधिकार का हनन है। आज ऐसे कई मामले सामने आये हैं जिसमें सामाजिक मान्यताओं के कारण परिवार को दंडित किया जा रहा है जैसे अंतरजातीय विवाह करने पर या जाति से अलग कार्य करने पर। अवधेश जी ने कहा कि कमजोर, महिला, दलित, आदिवासी समुदायों के लिए मानवाधिकार के रक्षा की अधिक जरूरत हो गयी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि बेल ब्यवस्था है और जेल अपवाद, इसके बाद भी बिना चार्जशीट के वर्षो से सैकड़ों लोग जेल में बंद हैं। उन्हें बेल नहीं मिला रहा । यूनाइटेड नेशन ने मानवाधिकार की अपनी प्रस्तावना में गरिमापूर्ण जीवन की बात की है। ब्यक्तिगत स्वतंत्रता वो सारी परिस्थितियाँ हैं जिससे ब्यक्ति का विकास होता है। किसन कालजयी ने कहा कि हमने आजादी के बाद धर्म की उपेक्षा की उसे सामाजिक संवाद से बाहर कर दिया जिसका नतीजा यह हुआ कि धर्म की ब्याख्या कट्टरपंथियों के हाथ चली गयी। इसलिए धर्म की निरपेक्ष ब्याख्या जरुरी है। एनुल होदा ने कहा कि आज देश में मानवाधिकार का घोर हनन हो रहा है। मनोज मीता ने कहा कि आज कोई भी स्वतंत्रता बची नहीं है, सब सत्ता के हाथों केंद्रित व संचालित है। पीयूसीएल कि स्थापना जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा से हुई थी। यास्मीन बानो ने कहा कि धर्म के नाम पर गलत बयानी कर धार्मिक विद्वेष फैला रहे हैं। इसके कारण समाज में हिंसा का माहौल बन रहा है। अध्यक्षता करते हुए डॉ मनोज ने कहा कि आज मानवाधिकार के लिए काम करने के लिए कई संगठनों की जरूरत है। आज सबसे बड़ी परेशानी यह है कि सत्ता धर्म का इस्तेमाल कर रहा है। यह इस्तेमाल आम लोगों को हिंसक बना रहा है। आज दंगे फैलने का कारण पुलिस, प्रशासन का ब्यवहार है। इसलिए मानवाधिकार के लिए हमें इन्हीं से लड़ना है और अधिकार भी इन्हीं से लेना है। एकराम हुसैन साद ने कहा कि पितृ सत्ता और सामाजिक सत्ता ने समाज में सबसे अधिक मानवाधिकार का हनन किया है इसलिए बराबरी का समाज के लिए प्रयास होनी चाहिए। इस अवसर पर पीयूसीएल भागलपुर की तदर्थ समिति का गठन किया गया।

Theme: मानवाधिकार और न्याय

Rationale: मानवाधिकारों की रक्षा और न्याय की बात उठाने हेतु स्थानीय स्तर पर संगठन बनाने की जरुरत |

Total number of participants (in that activity) : 27

स्वतंत्रता व धर्मों की आजादी विषय पर गोष्ठी आयोजित

भागलपुर, आरएनएन। कलाकेंद्र में मानवाधिकार संगठन पी यू सी एल की ओर से व्यतिगत स्वतंत्रता और धर्मों की आजादी विषय पर चर्चा गोष्ठी हुई। अध्यक्षता डॉ. मनोज कुमार ने और संचालन उदय ने किया। विषय प्रवेश कराते हुए उदय ने कहा कि संविधान ने मानवाधिकार का हक दिया है। वहीं दूसरी ओर मानवाधिकार का सबसे बड़ा हनन कर्ता खुद राज्य सत्ता है। मानवाधिकार हनन कर्ता कई प्रकार के हैं। कई प्रकार के सामाजिक व धार्मिक परम्पराएं भी मानवाधिकार का हनन करती हैं जैसे लड़का लड़की में भेदभाव, जाति भेद, छूआ छूत आदि। उसी प्रकार सामुदायिक अधिकारों का भी हनन होता है। शाहिद कमाल ने कहा कि एक धर्म को मानने वाले अपने धार्मिक मान्यताओं को सही और दूसरे की मान्यताओं को गलत मानते हैं। यह भी मानवाधिकार का हनन है। समाज में कई प्रकार की पंचायतों के चलन ने व्यक्तिगत स्वतंत्रता का हनन होता है।अवधेश ने कहा कि कमजोर, महिला, दलित, आदिवासी समुदायों के लिए मानवाधिकार के रक्षा की अधिक जरूरत हो गयी है। सुप्रीम कोर्ट ने कई बार कहा है कि बेल व्यवस्था है और जेल अपवाद, इसके बाद भी बिना चार्जशीट के वर्षों से सैकड़ों लोग जेल में बंद हैं। उन्हें बेल नहीं मिला रहा। यूनाइटेड नेशन ने मानवाधिकार की अपनी प्रस्तावना में गरिमापूर्ण जीवन की बात की है। एनुल होदा ने कहा कि देश में मानवाधिकार का घोर हनन हो रहा है। मनोज मीता ने कहा कि आज कोई भी स्वतंत्रता बची नहीं है, सब सत्ता के हाथों केंद्रित व संचालित है। पीयूसीएल कि स्थापना जयप्रकाश नारायण की प्रेरणा से हुई थी। यास्मीन बानो ने कहा कि धर्म के नाम पर गलत बयानी कर धार्मिक विद्वेष फैला रहे हैं। इसके कारण समाज में हिंसा का माहौल बन रहा है। अध्यक्षता करते हुए डॉ मनोज ने कहा कि आज मानवाधिकार के लिए काम करने के लिए कई संगठनों की जरूरत है। आज सबसे बड़ी परेशानी यह है कि सत्ता धर्म का इस्तेमाल कर रहा है। यह इस्तेमाल आम लोगों को हिंसक बना रहा है। एकराम हुसैन साद ने कहा कि पितृ सत्ता और सामाजिक सत्ता ने समाज में सबसे अधिक मानवाधिकार का हनन किया है। इसलिए बराबरी का समाज के लिए प्रयास होनी चाहिए। इस अवसर पर पीयूसीएल भागलपुर की तदर्थ समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष डॉ मनोज को, उपाध्यक्ष अमरीना सेराज और यास्मीन बानो एवं महासचिव किसन कालजयी को चुना गया। धन्यवाद ज्ञापन गौतम कुमार ने किया। इस अवसर पर मुजफ्फरपुर के शाहिद कमाल, अवधेश, डॉ. मनोज कुमार, उदय, एनुल होदा, मनोज कुमार पांडे, किसन कालजयी, दीपक कुमार मंडल, अमरीना सेराज, एकराम हुसैन शाद, विनय कुमार भारती, उज्जवल कुमार घोष, गौतम मल्लाह, यास्मीन बानो, शारदा श्रीवास्तव, अनीता शर्मा, पूनम श्रीवास्तव, ललन, मो. तालिब अंसारी, सुभाष प्रसाद, संजय कुमार, डॉ. सुनील अग्रवाल, सुभाष देव, आसमा खातून, योगेंद्र सहनी, उज्मा असर आदि मौजूद थे।

गोष्ठी • पीयूसीएल भागलपुर की तदर्थ समिति का गठन, डॉ. मनोज बने अध्यक्ष

एक धर्म को मानने वालों का दूसरे धर्म की मान्यताओं को गलत बताना भी मानवाधिकार का हनन: शाहिद

सिटीरिपोर्टर | भागलपुर

व्यक्तिगत स्वतंत्रता व धर्मों की आजादी विषय पर विचार गोष्ठी में शामिल वक्ता।

कलाकेंद्र में मानवाधिकार संगठन पीयूसीएल द्वारा व्यक्तिगत स्वतंत्रता और धर्मों की आजादी विषय पर चर्चा गोष्ठी हुई। अध्यक्षता डॉ. मनोज कुमार ने और संचालन उदय ने की। उदय ने कहा कि हमें संविधान ने मानवाधिकार का हक दिया है। वहीं दूसरी ओर मानवाधिकार का सबसे बड़ा हननकर्ता खुद राज्य सत्ता है। कई प्रकार के सामाजिक व धार्मिक परंपराएं भी मानवाधिकार का हनन करते हैं, जैसे लड़का-लड़की में भेदभाव, जाति भेद, छूआछूत आदि। उसी प्रकार सामुदायिक अधिकारों का भी हनन होता है। शाहिद कमाल ने कहा कि एक धर्म को मानने वाले अपने धार्मिक मान्यताओं को सही और दूसरे की मान्यताओं को गलत मानते हैं।

यह भी मानवाधिकार का हनन है। किसन कालजयी ने कहा कि हमने आजादी के बाद धर्म की उपेक्षा की उसे सामाजिक संवाद से बाहर कर दिया, जिसका नतीजा यह हुआ कि धर्म की व्याख्या कट्टरपंथियों के हाथ चली गयी। इसलिए धर्म की निरपेक्ष व्याख्या जरूरी है। एनुल होदा ने कहा कि आज देश में मानवाधिकार का घोर हनन हो रहा है। मनोज मीता ने कहा कि आज कोई भी स्वतंत्रता बची नहीं है, सब सत्ता के हाथों केंद्रित व संचालित है। यास्मीन बानो ने कहा कि धर्म के नाम पर गलत बयानी कर धार्मिक विद्वेष फैला रहे हैं। इसके कारण समाज में हिंसा का माहौल बन रहा है। अध्यक्षता करते हुए डॉ. मनोज ने कहा कि आज मानवाधिकार के लिए काम करने के लिए कई संगठनों की जरूरत है। आज सबसे बड़ी परेशानी यह है कि सत्ता धर्म का इस्तेमाल कर रहा है। यह इस्तेमाल आम लोगों को हिंसक बना रहा है। इस अवसर पर पीयूसीएल भागलपुर की तदर्थ समिति का गठन किया गया। अध्यक्ष डॉ मनोज को, उपाध्यक्ष अमरीना सेराज और यास्मीन बानो एवं महासचिव किसन कालजयी को चुना गया।

❖ Date: **17 November 2024**

Time: 4 pm -8 pm

Location: कलाकेन्द्र, भागलपुर

Name of Event/Activity: **"रंग संध्या"**

Type of Activity : सांस्कृतिक कार्यक्रम

Brief Description: Highlights of the activity (Not more than 300 words)

गायन, पेंटिंग, क्राफ्ट में बच्चों ने दिखायी प्रतिभा, मोहा मन

कला केंद्र में आयोजित रंग संध्या में प्रस्तुति देते बच्चे.

वरीय संवाददाता, भागलपुर

सुसंस्कृत मनुष्य के रूप में विकसित होने में कला, संगीत, नृत्य, साहित्य की आवश्यकता है. उक्त बातें एमएलसी डॉ एनके यादव ने रविवार को कला केंद्र की ओर से आयोजित रंग संध्या में मुख्य अतिथि के रूप में कही. रंग संध्या में बाल किशोर प्रतिभाओं को सुनना, देखना अविस्मरणीय अनुभव रहा. पहले एमएलसी, अवकाश प्राप्त उपनिदेशक जनसंपर्क विभाग शिवशंकर सिंह पारिजात, प्राचार्य कलाकेंद्र राजीव कुमार सिंह,रंगकर्मी ललन,समाजसेवी ऐनुल होदा, तकी अहमद जावेद, मैडम नीना एस प्रसाद और महबूब आलम ने संयुक्त रूप से उद्घाटन किया. प्रतिभागी गायन सुर लहरी अपना शमा बांधने लगी. कला केंद्र का मंच दोनों ओर से छात्र-छात्राओं की पेंटिंग और क्राफ्ट्स से सुसज्जित था, जिसकी ओर दर्शक खींचे चले गये. कृतिका मंजरी, प्रांजल पांडे, गार्गी पांडे, सृष्टि सिंह, आदित्य सिंह, सूर्या शौर्य, काव्यश्री,अंगराज शिवेश आदि ने शास्त्रीय संगीत,ग़ज़ल और बेहतर भावों वाले चुनिंदा फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी. प्राचार्य राजीव कुमार ने कहा कि आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू देश के बच्चों से बहुत प्यार करते थे और उनमें वैज्ञानिक व सांस्कृतिक चेतना विकास के लिए अनेक संस्थाओं की स्थापना की थी. नृत्य शिक्षिका नीना एस प्रसाद के निर्देशन में हर्षिता, समायरा संवि, आर्ची, रिया सोरेन, नित्य राजपूत, आराधना मनस्वी, अवंतिका, कियाना आदि ने दर्शकों का मन मोह लिया. नीलांजना, मृदुला सिंह, सौरभ, तेजस कृतिका मंजरी आदि द्वारा निर्मित पेंटिंग भी दर्शकों को आकर्षित किया. इस अवसर पर उज्जवल घोष, जयप्रकाश कुमार, जय जलद, नीलम, विनय कुमार भारत सुषमा, रजनी कुमारी का योगदान रहा.

17 नवंबर 2024 को ' रंग संध्या ' में शिरकत करने आए बाल किशोर प्रतिभाओं को सुनना,देखना अविस्मरणीय अनुभव रहा । मुख्य अतिथि बिहार विधान पार्षद डॉ.एन.के.यादव ,अवकाश प्राप्त उपनिदेशक जनसंपर्क विभाग,बिहार सरकार के श्री शिवशंकर सिंह पारिजात ,प्राचार्य कलाकेंद्र राजीव कुमार सिंह, रंगकर्मी ललन, समाजसेवी ऐनुल होदा, तक़ी अहमद जावेद, मैडम नीना एस प्रसाद, और महबूब आलम ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का आगाज़ किया और प्रतिभागी गायन सुर लहरी अपना शमा बांधने लगी। कलाकेंद्र का मंच दोनों ओर से छात्र छात्राओं की पेंटिंग्स और क्राफ्ट्स से सुसज्जित था, जिसकी ओर दर्शक स्वयंमेव खिंचे चले आते। डॉ.एन. के.यादव ने इस अवसर पर बच्चों और अभिभावकों को खास तौर पर संबोधित किया और मानव प्राणीमात्र सुसंस्कृत मनुष्य के रूप में विकसित होने में कला,संगीत,नृत्य,साहित्य की आवश्यकता और भूमिका को रेखांकित किया। श्री शिवशंकर सिंह पारिजात ने प्रतिभागियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रमों के द्वारा अब संस्कृति पर प्रहार करते हुए एक सुख और खुशहाल संस्कृति का निर्माण करता है। कला केंद्र हमेशा कला को परिष्कृत कर समाज को प्रस्तुत करता है, यह हमारे शहर के लिए बहुत ही गौरव की बात है। ऐनुल होदा ने अपने वक्तव्य में कहा कि हम अलग-अलग दिखते हैं पर हमारा मन एक है, हमारी खुशबू एक है। हिंदुस्तान की यही खूबसूरती है कि इतनी सारी संस्कृतियाँ एक साथ हैं, सब मिलकर हमारी एक भारतीय संस्कृति है। श्रीमती प्रेरणा जैन, फनी चंद्र आदि अनेक वक्ताओं ने भी बच्चों अविभावकों की सराहना करते हुए वक्तव्य दिए। इस अवसर पर कृतिका मंजरी, प्रांजल पांडे, गार्गी पांडे, सृष्टि सिंह, आदित्य सिंह, सूर्या शौर्य, काव्यश्री,अंगराज शिवेश आदि ने शास्त्रीय संगीत,ग़ज़ल और बेहतर भावों वाले चुनिंदा फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी। प्राचार्य राजीव कुमार ने कहा कि आजाद भारत के पहले प्रधानमंत्री श्री जवाहर लाल नेहरू देश के बच्चों से बहुत प्यार करते थे और उनमें वैज्ञानिक व सांस्कृतिक चेतना विकास के लिए अनेक संस्थाओं,संस्थानों की स्थापना की थी।कलाकेंद्र भी उसी मुख्यधारा में बच्चों को शिक्षित दीक्षित संस्कारित कर रहा है। ये आगे चलकर गंगा जमुनी संस्कृति वाला देश गढ़ पाएंगे। रूप सजा में अदृका झा, आरती सिंह,प्रियांशी. एक आनंद ने देश की विभिन्न संस्कृतियों को प्रस्तुत किया। अकाल और शास्त्रीय नृत्य में नृत्य शिक्षिका नीना एस प्रसाद के निर्देशन में हर्षिता समायरा संवि आर्ची रिया सोरेन नित्य राजपूत, आराधना मनस्वी अवंतिका, कियाना आदि ने अपने नृत्य की प्रस्तुति से दर्शकों का मन मोह लिया। मौके पर नीलांजना, मृदुला सिंह, सौरभ,, तेजस कृतिका मंजरी आदि द्वारा निर्मित पेंटिंग भी दर्शकों को आकर्षित कर रहे थे। सभी प्रतिभागियों को विशिष्ट अतिथियों द्वारा मोमेंटो और प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

बाल कलाकरों ने नृत्य की प्रस्तुति देकर दिखाई अपनी प्रतिभा

कलाकेंद्र में रंग संध्या कार्यक्रम में नृत्य प्रस्तुत करते बाल कलाकार।

सिटीरिपोर्टर| भागलपुर

कलाकेंद्र में रविवार को रंग संध्या कार्यक्रम हुआ। जिसमें कृतिका मंजरी, प्रांजल पांडे, गार्गी पांडे, सृष्टि सिंह, सूर्या शौर्य व अन्य कलाकारों ने शास्त्रीय संगीत, गजल एवं चुनिंदा फिल्मी गीतों की प्रस्तुति दी। बाल कलाकारों ने नृत्य की प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा दिखाई। मंच के दोनों तरफ छात्र-छात्राओं द्वारा बनाई पेंटिंग और क्राफ्ट से सजाया गया था। मुख्य अतिथि एनके यादव ने कहा कि मानव को सुसंस्कृत मनुष्य के रूप में विकसित करने में कला, संगीत एवं साहित्य की अहम भूमिका होती है। इसके अलावे शिवशंकर सिंह पारिजात, प्रेरणा जैन, फनी चंद्र, राजीव कुमार, नृत्य शिक्षिका नीना एस प्रसाद ने भी अपनी बातें रखीं। सभी प्रतिभागियों को अतिथियों द्वारा मोमेंटो एवं प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

Theme: साझी संस्कृति

Total number of participants (in that activity) : 100

❖ Date: **26 November 2024**

Time:
Location: भागलपुर
Name of Event/Activity: "डगर संविधान की- "समता के वास्ते-संविधान के रास्ते"
Type of Activity : समुदाय बैठक, संवाद, ऑनलाई प्रसारण
Brief Description: Highlights of the activity (Not more than 300 words)

दिनांक 26 नवम्बर 2024 को संविधान दिवस से 26 जनवरी 2025 को गणतंत्र दिवस तक पीस सेंटर परिधि द्वारा " डगर संविधान की" की शुरुआत हुई | आज संविधान दिवस पर "समता के वास्ते-संविधान के रास्ते" कई कार्यक्रम कहलगांव, मक्खातकिया, तरछा, गोराडीह, भागलपुर में हुए | यह कार्यक्रम संविधान दिवस 26 नवम्बर से शुरू होकर 26 जनवरी गणतंत्र दिवस तक चलेगा। परिधि के निदेशक उदय ने कहा कि संविधान हमें मौलिक अधिकार के तहत संघ और यूनियन बनाने का अधिकार देता है अगर संविधान नहीं रहता तो जल श्रमिक संघ नहीं रहता | मौलिक अधिकार के तहत ही हमें गरिमा पूर्ण जीवन जीने का अधिकार है इसी अधिकार के कारण फूड सिक्यूरिटी एक्ट और राइट टू एजुकेशन आया जिसे जीने के अधिकार के तहत जोड़ा गया | संविधान हमें देश के समान नागरिक का दर्जा देता है | सभी को एक ही वोट का अधिकार मिला है अदानी, अंबानी और गांव का एक आदमी सब के वोट की कीमत एक ही है। राहुल ने कहा कि हमारे संविधान में आजादी आंदोलन के शहीदों का सपना है। भारतीय संविधान का निर्माण डेढ़ सौ वर्षो के आजादी आंदोलन के मूल्य से उपजा है। इसमें नानक, कबीर, रैदास जैसे संतों, भगत सिंह, गांधी, सुभाष, अब्दुल कलाम आजाद, गफ्फार खान जैसे देशभक्तों के विचार शामिल है। अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर मनोज कुमार ने कहा कि समता और न्याय के बिना हम बेहतर संविधान की कल्पना नहीं कर सकते। आज संविधान को कमजोर करने की कोशिश हो रही है ताकि संता और न्याय के वादे से पीछे हटा जा सके। अगर ऐसा होगा तो हमारा देश बिखर जाएगा। इसलिए संविधान की प्रस्तावना यानी हमारे संविधान की आत्मा को बचाए रखना हमारी जिम्मेदारी है और इसे नई पीढ़ी तक पहुंचाना अत्यावशक है। अर्जुन शर्मा ने कहा देश में हजारों सालों से विभिन्न धर्म, पंथ एवं संस्कृतियों के मानने और आस्था रखने वाले एक साथ रहते आ रहे हैं। 150 वर्ष तक चले स्वतंत्रता संग्राम के आन्दोलन में सभी धर्मों, पंथों, संस्कृतियों को मानने वालों ने एक साथ मिलकर हिस्सा लिया और देश को सालों की गुलामी से आज़ादी दिलवाई। हम सभी ने एक साथ मिलकर इस मुल्क को सजाया सवारा है, इस मुल्क की मिट्टी में हम सभी के पूर्वजों का लहू शामिल है । अमरीना सेराज ने कहा हमारे संविधान ने जिस समता और बंधुत्व को अपना सबसे जरुरी मूल्य माना आज उसी मूल्य को सबसे ज्यादा खतरा है। समाज में मौजूद हर स्तर की गैरबराबरी को ख़त्म कर जिस समता को स्थापित करने की ओर हम सभी बढ़े थे आज उसे पूरी तरह से बाधित करने का प्रयास विषमता पर आधारित समाज के हिमायती कर रहे है। एक संस्कृति, एक धर्म की वकालत करने वालों ने देश की बहुलतावादी और विविधता से भरी संस्कृति को ही नष्ट कर पूरे देश को एक रंग में रंगने पर अमादा है, इन्हें विविध रंगों से नफ़रत है, जबकि हम सभी यह

जानते हैं कि देश एक दूसरे के सहयोग और सहस्तित्व के बिना आगे नहीं बढ़ सकता है। हम सभी यह जानते है की समाज का हर नागरिक दृश्य-अदृश्य रूप से एक -दूसरे से जुड़ा हुआ हैं । यह जुडाव और गहरा और मजबूत हो इसके लिए हम सभी को एक साथ निरंतर प्रयास करते रहना होगा। हम एकता बद्ध छोटे-छोटे प्रयासों से देश को खुबसूरत और समृद्ध बना सकते हैं । अलोक रानी ने आह्वान किया कि एक साथ समता और बंधुत्व के सपने साकार कर एक खूबसूरत समाज बनायें। उमेश प्रसाद नीरज ने कहा कि आज सत्तासीन वन नेशन वन इलेक्शन से होते हुए वन नेशन वन रिलीजन की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहा है। हमारा देश विभिन्न संस्कृतियों, धर्मों का देश है। ऐसे में देश बिखर जायेगा। इसलिए संविधान के धर्मनिरपेक्षता की भावना को बचाये रखना जरुरी है। बिनय कुमार ने बताया कि आज का कार्यक्रम मक्का तकिया चर्चा गोराडीह आदि गांव में भी किया गया।

Theme: समता और न्याय

Total number of participants (in that activity) : 200

राजीव कुमार सिंह(राहुल)
संयोजक:पीस सेंटर, भागलपुर